केजरीवाल का पहले जैसा जादू नहीं रहा पर काम की छाप वोट पर असर डालेगी

ग्राउंड जीरो से विवेक कुमार की तीसरी किश्त

दिल्ली चुनाव कवर करने के अब तक के चरण में मज़दूर मोर्चा ने असंगठित क्षेत्र के मज़दूरों की समस्याओं और आम आदमी सरकार द्वारा किये जाने वाले दावों के अलावा विपक्षी पार्टियां जो कभी सत्तानशीन थीं के वादों की हकीकत भी ग्राउंड जीरो से जानने का प्रयास किया है। शुरूआती मुख्य मुद्दों में शामिल असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को कवर करने गई टीम का फोकस पहले चांदनी चौक विधानसभा में लगने वाले बाजार के रेहड़ी -पटरी वालों पर रहा और अगला पड़ाव बवाना इंडस्ट्रियल इलाके में काम करने वाले मजदूरों और उनको मिलने वाले न्यूनतम वेतन पर केंद्रित रहा।

इस बार पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर, कीर्ति नगर, मायापुरी, विष्णु गार्डन और आस-पास के इलाकों में रहने वाले मजदूरों के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लोगों से भी बात की गयी। मोती नगर विधानसभा में वर्ष 1993 से लेकर 2015 तक भाजपा का वर्चस्व रहा है। 162955 वोटरों वाली इस विधानसभा में पुरुष वोटरों की संख्या 92444 है तो वहीं महिला वोटर भी 70502 की संख्या में हैं। मदन लाल खुराना की इस पक्की सीट पर किसी ने सोचा नहीं होगा कि लगभग 25 प्रतिशत वोट स्विंग से आम आदमी पार्टी के शिव चरण गोयल वर्ष 2015 में एम्एलए बनेंगे। पांच साल की अपनी सरकार के बाद विधायक और पार्टी पर आम वोटर का कितना भरोसा है इसका सार ग्राउंड रिपोर्ट में लिया गया।

भोजपुरी में गालियों की बौछार से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भोजपुरी गायक मनोज तिवारी का अभिनन्दन करते हुए राजू ने चाय का पतीला अंगीठी से उठा कर एक लाइन में लगे कांच के ग्लासों पर ऐसा उड़ेला की दिल में आया एक बार मोदी जी चाय वाले को भी यह हुनर दिखा कर उनका मुंह बंद कर देते, हालांकि बात रोजगार और अन्य जरूरी मुद्दों पर शुरू हो गयी।

25 वर्षीय राजू के दो बच्चे हैं और क्योंकि मंदी की मार ऐसी है कि कीर्ति नगर की लोहा मंडियों में काम ठप सा हो गया है तो जाहिर है उसकी चाय भी ठंडी पड़ गई है। ऐसे में अब दिल्ली में बच्चे पालने की विकट समस्या है। इस बार किस मुद्दे पर वोट देने का मन बनाया है, राजू ने बताया कि दो महीने पहले पैदा हुई बेटी को निमोनिया हो गया था। दिल्ली सरकार के राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गया, इलाज भी हो गया और पैसे भी नहीं लगे। पिछली बार राजू की बड़ी बेटी बीमार पड़ी थी तो गोरखपुर के एक प्राइवेट क्लिनिक में साल भर की कमाई बच्ची के इलाज में चली गई थी। इतना कहने के बाद फिर वही गलियों का सैलाब भाजपा के लिए राजू के मुंह से बहने लगा।

दिल्ली में भी मध्यम वर्ग के लोगों का भरोसा सारे देश की ही तरह राष्ट्रीय पार्टियों से टूटता दिख रहा है। आम आदमी पार्टी भी इन्हें बेशक बड़ी पार्टियों की राह पर जाती दिख रही हो मगर फिलहाल मतदाता अपना रास्ता बदलने के मूड में नहीं दिख रहा चाहे किसी भी वर्ग हो का हो। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस की चुनावी राह फिलहाल मुश्किलों से भरी जान पड़ती है।

विष्णु नगर और रघुबीर नगर की झुग्गी बस्ती में रहने वाले निवासियों में नदीम, दो पीढ़ियों से कांग्रेस के वोटर हैं। जल्दी-जल्दी कमीज की एक बांह बिना पहने ही झुग्गी से बाहर आ गए। जोर-जोर से चिल्लाते हुए बोले मुझसे पूछो, मैं बताता हूँ। हमारा परिवार हमेशा से कांग्रेस का कट्टर वोटर है। कट्टर से क्या मतलब है, नदीम ने कहा कुछ भी हो जाए कांग्रेस को वोट दूंगा। तो इस बार भी क्या कांग्रेस को वोट देंगे, मुस्कुराते हुए बोले, नहीं इस बार तो झाड़ू वाले को देना ही पड़ेगा, झाड़ू वाले ने काम ही इतना किया है। झुग्गी में पानी आ गया, पहले लाइन लगानी पड़ती थी पर अब नल है जिसमे कुछ वक्त के लिए पानी आ जाता है और काम भर का हम भर लेते हैं। और भी कई काम किये हैं पर है तो बदमाश ही यह केजरीवाल भी, फिर भी अभी एक बार और लाना चाहिए इसे।

कीर्ति नगर में फर्नीचर बनाने का काम करने वाले शिवकुमार आरएसएस के कट्टर समर्थक हैं। भाजपा के लिए अपनी जान तक दे दूंगा के नारे के बाद उन्होंने कहा, क्योंकि मोदी केंद्र में है तो राज्य में भी उसे ही होना चाहिए। ऐसा होने से क्या फर्क पड़ेगा, 50 वर्षीय शिवकुमार ने बताया कि अगर दोनों जगहों पर एक ही आदमी का शासन हो तो विकास कार्य तेजी से बढेगा। इस हिसाब से मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं केंद्र का असर दिखा जबकि वहां भाजपा सरकार है, के जवाब में केजरीवाल को चार गलियां देने के साथ ही शिवकुमार ने कहा, जब देखो तब केंद्र को कहता है काम नहीं करने दिया, तो इसने ये स्कूल कहाँ से बना लिए, अस्पताल और मोहल्ला क्लिनिक कहाँ से बना लिए।

मोती नगर में रहने वाली कुलवंत कौर एमसीडी स्कूल में अध्यापिका हैं। आम आदमी पार्टी सरकार के काम पर बोलते हुए कुलवंत कौर ने बताया कि जिस स्कूल में वह पढ़ाती हैं वहां के बच्चे कई बार उनसे ही पूछते हैं कि लाल वाले स्कूल में हम कब बैठेंगे। लाल वाला स्कूल यानी कि आम आदमी पार्टी की तरफ से बनाये गए स्कूल के वह कमरे जो आते-जाते किसी को भी दूर से ही दिख सकते हैं। केंद्र में मोदी को चाहने वाली कुलवंत दिल्ली में केजरीवाल को बतौर मुख्यमंत्री देखना चाहेंगी। कुलवंत बोलीं, अपनी दिल की बात कहूं, लाल वाले स्कूल देख कर रश्क होता है कि यदि मेरे स्कूल की बिल्डिंग भी ऐसी हो तो रिश्तेदारों को बता सकूँ कि यहाँ पढ़ाती हूँ। अभी तो शर्म आती है छोटी सी बिल्डिंग में जा कर बैठने में ही।

कीर्ति नगर की झुग्गी बस्ती में घुसते ही पाया, महिलाएं भीतर की गलियों से निकल कर बाहर की एक चौकी सड़क पर बैठीं एक-दूसरे के बाल सुलझा रही थीं। माइक और कैमरा देखते ही सबके भीतर एक करंट सा दौड़ गया और घेरा बना कर सबने आग्रह किया कि पहले बस्ती के भीतर की गलियों को देख लो उसके बाद कोई बात करेंगे। हम तीन फीट चौड़ी गली में दाखिल हुए, घुसते वक्त तो लगा बस शुरू होते ही खत्म हो जाएगी। ज्यों-ज्यों भीतर चलते गए चूहे के एक बिल से दूसरे बिल तक सुरंग के जाल सी यह गलियां किसी भूल भुलैया से कम नहीं थीं। खुली नालियां, आमने सामने के घरों के दरवाजे खोल दें तो रास्ता ही बंद हो जाए। बदबू में रहने को मजबूर इन लोगों ने एक घर के छज्जे पर लगे कैमरे की तरफ इशारा करके बताया कि अब हमारे मोहल्ले में कैमरा लग गया है। चोरियां कम हुई या नहीं, कह नहीं सकते, पर हाँ, कैमरे की मदद से दो बार चोरों को पहचान कर पकड़ लिया।

झुग्गी बस्ती के लोगों ने बताया कि पानी की सुविधा मिल रही है बराबर। पीने के पानी के लिए भी दिल्ली सरकार ने एक आरओ लगवाया है जिस पर एक रुपया देकर 10 लीटर पीने का पानी भरा जा सकता है। सरिता ने ताली मार कर ठहाका लगाते हुए कहा कि पानी तो केजरीवाल ने दे दिया पर पाखाना कौन देगा, मोदी जी बाँट रहे थे, हमें तो नहीं मिला। एक अन्य महिला ने बताया कि समूहिक इस्तेमाल के लिए बड़ा सा एक शौचालय बनाया है एमसीडी ने। पहले तो कभी साफ सफाई नहीं होती थी और उधर कोई जाता ही नहीं था, पर पिछले कुछ दिन से सफाई होने लगी है।

बस्ती से सटी रेलवे लाइन की तरफ जाकर देखा तो आधी बस्ती रेल पटरी पर बैठी ताश खेल रही थी। कुछ महिलायें हैंगर जोड़ने का काम कर रही थीं। इनमे से एक ने बताया कि तीन हैंगर जोड़ने पर एक रुपया मिल जाता है। 35 वर्षीय संगीता ने बिफरते हुए कहा कि जबसे भाजपा सरकार आई है काम ही नहीं है बाजार में, केजरीवाल ने भी रोजगार के मुद्दे पर कुछ नहीं किया है। सब नेता आते हैं झूठे वादे करके चले जाते हैं। मन तो करता है कि अबकी जब वोट लेने आये तो एक जोर का चांटा मारूं।

'केजरीवाल का नाम न लो यार, न जाने क्यों मेरे तन बदन में आग सी लग जाती है। झूठा है साला, जब देखो तब रोता रहता है। मुफ्त दे-दे कर सब औरतों को बिगाड़ दिया और यहाँ तक की सरकारी खजाना भी खाली कर डाला।' रामप्रकाश की नाराजगी केजरीवाल से थी पर उनकी अपनी बेटी का ही कहना था कि पापा को छोड़ कर बस्ती के सभी लोग केजरीवाल को चुनेंगे। पापा की सेटिंग है न भाजपा और कांग्रेस दोनों से, इन्हें गिफ्ट भी मिलता है। इतना कहना था कि रामप्रकाश समेत सभी उपस्थित ठहाके लगाने लगे।

फिलहाल तो मोती नगर विधानसभा के इन गरीबों की औकात उतनी ही है जितनी कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी के गरीब पिता और अरविन्द केजरीवाल के आम बच्चों की मेहरबानी से हो सकती है। आठ फरवरी यानी वोट पड़ने के दिन तक सभी इनके दरवाजे माथा नवाएंगे और इन्हें भी मालूम है कि शराब भी मिलेगी और साथ कुछ नोट भी।

रेल की पटरी मजबूरन खेल का मैदान है यहाँ के लोगों के लिए पर असल में यह रेल की पटरी मौत का कुआँ है। न जाने कब किसी की नजर चूके और मातम हो जाए।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सतीश कुमार ने अपने स्वामित्व में एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सैक्टर-6, नोएडा से मुद्रित करवा कर 1 डी/2बी.पी. नियर हार्डवेयर चौक, एनआईटी फरीदाबाद से प्रकाशित किया। Postal Reg. No. L/H.R/FBD/463-06